



UNIVERSITÄTS-
BIBLIOTHEK
PADERBORN

Der Ur-Merkur von 1701

Abraham <a Sancta Clara>

Augsburg, 1928

Inhalt.

[urn:nbn:de:hbz:466:1-68583](https://nbn-resolving.org/urn:nbn:de:hbz:466:1-68583)

Inhalt

Einleitung	7
Geflügelter MERCURIUS	11
1. Das brave Weib	13
2. Das böse Weib	15
(Heilung einer Stummen)	
3. Weibliche Schwachheit	17
(Fabel von der Liebe und der Narrheit. Geschichte von Bärbel und Sigmund)	
4. Die Mannsucht	20
(Eliezer auf der Brautschau. Die drei Mädchen im Mondschein)	
5. Weibliche Eitelkeit	23
(Die Verjüngungskur in Heilbronn)	
6. Heiraten ein Glücksspiel	25
(Nabal und Abigail. Job und seine Frau. Ehelicher Wettstreit im Schelten)	
7. Die Spielsucht der Männer	28
(Bekehrung eines Spielwütigen)	
8. Trunkfichtige	31
(Des Trunkenbolds Züchtung)	
9. Heldinnen ehelicher Treue	35
(Die Weiber von Weinsberg. Frau von Geroldssee u. a. Die Treuprobe)	
10. Trinkfeste Frauen	39
(Wändigung der stuzigen Rotnase)	
11. Weiberlist	43
(Jupiters Übertölpelung. Das seltsame Gelüsten)	
12. Verteidigung der Frauen	47
(Der Mann mit den 5 Weibern. Die Heldin von Gran)	
Wörterverzeichnis	51

Index

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----